

२२/१०  
२

चंद्राद

पत्राकमी केंद्र कोटि हाय फर्नापर १८००  
में पेस ड्रॉय वारी ने शर पत्र पेस का  
निवेदन किन्तु डि-प्रतिवासीगण ने रुपनी रहर  
अधि विरुद्ध कर दी है तदनुषंग को विरु  
काग पाहला हूं। कारण: वारी के शर पत्र के  
आधार पर वास-वारी रफी लर पर स्वाभि  
किन्तु आज ही पत्राकमी निपदातुका वारि  
दमर लेवल नकर ले कर ही

Punjale  
उपसंगड अधिकारी  
अनूपगढ

